अध्याय - 5 | पुष्पी पादपों की अकारिकी

QUIZ-01

1. निम्नलिखित में से कौन सी जड़ खाद्य भंडारण के लिए रूपांतरित होती है?

A. प्रॉप रूट B. न्यूमैटोफोर

C. गाजर की टैप रूट D. स्टिल्ट रूट (C)

व्याख्या: गाजर की टैप रूट भोजन का भंडारण करती है और सूज जाती है। यह भंडारण के लिए रूपांतर है।

2. पौधे का कौन सा भाग नोड्स और इंटरनोड्स को दर्शाता है?

A. पत्ता B. जड़

C. तना D. फूल (C)

व्याख्या: तना नोड्स और इंटरनोड्स में विभाजित होता है, जैसा कि अध्याय में वर्णित है।

3. न्यूमैटोफोर्स का कार्य क्या है?

A. संलग्नता B. भंडारण

C. गैसों का आदान-प्रदान D. चढ़ना (C)

व्याख्या: न्यूमैटोफोर्स दलदली क्षेत्रों में गैसों के आदान-प्रदान में सहायक होते हैं।

4. निम्न में से कौन तने का उप-स्थलीय रूपांतरण है?

A. ट्यूबर B. राइजोम

C. रनर D. बल्ब (C)

व्याख्या: रनर एक उप-स्थलीय तना रूपांतरण है जो वनस्पतिक प्रजनन में सहायक होता है।

5. निम्नलिखित में से कौन एक पिननेटली संयुक्त पत्ती का उदाहरण है?

A. नीम B. सिल्क कॉटन

C. मटर D. गुलमोहर (A)

व्याख्या: नीम में एक पिननेटली संयुक्त पत्ती होती है जिसमें पत्रक एक सामान्य अक्ष पर व्यवस्थित होते हैं।

6. किस प्रकार की शिराविन्यास में शिराएं जाल जैसी रचना बनाती हैं?

A. समांतर B. रेटिकुलट

C. पिननेट D. पामेट (B)

व्याख्या: रेटिकुलट शिराविन्यास में शिराएं एक जटिल जाल जैसी रचना बनाती हैं।

7. फूल का कौन सा भाग फल में परिवर्तित होता है?

A. बीजांड B. अंडाशय

C. शैली D. वर्तिकाग्र (B)

व्याख्या: निषेचन के बाद अंडाशय फल में बदल जाता है।

8. जाईगोमॉर्फिक फूल की विशेषता क्या है?

A. किसी भी तल में बराबर भागों में विभाजित हो सकता है

B. अनियमित आकार

C. केवल एक ऊर्ध्वाधर तल में विभाज्य

D. रेडियल सममिति (C)

व्याख्या: जाईगोमॉर्फिक फूल केवल एक ऊर्ध्वाधर तल में दो समान भागों में विभाज्य होता है।

9. वर्तिकाग्र का सूजा हुआ आधारिक भाग क्या कहलाता है?

A. अंडाशय B. बीजांड

C. शैली D. वर्तिकाग्र (A)

व्याख्या: अंडाशय वर्तिकाग्र का सूजा हुआ आधारिक भाग होता है जिसमें बीजांड होते हैं।

10. निम्न में से कौन-सा पुष्प-सूत्र एक उभयलिंगी, सममित (एकसमान) फूल को दर्शाता है जिसमें पाँच संयुक्त दल होते हैं?

A. ⊕ ⚥ K5 C(5) A5 G(2)

B. ⚥ K(5) C5 A∞ G(1)

C. ⚥ K5 C(5) A(5) G1

D. ⊕ K5 C5 A5 G(3) (A)

व्याख्या: यह पुष्प-सूत्र एक उभयलिंगी, सममित फूल को दर्शाता है जिसमें संयुक्त दलचक्र (गैमो-पेटालस) होते हैं।